सेल • संगोष्ठी में टेक्नोलॉजिकल सेक्टर में हो रहे परिवर्तन पर एक्सपर्ट ने रखे विचार

भारत टेक्नोलॉजी के चौथे रिवॉल्यूशन को लीड करने के लिए हर तरह से सक्षम है : केके सिंह

सिटी रिपोर्टर | रांची

स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लि. (सेल) के 2 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी के दूसरे दिन सेल के कार्मिक निदेशक केके सिंह ने टेक्नोलॉजिकल सेक्टर में चौथे रिवॉल्यूशन में भारत को नेतृत्वकर्ता के रूप में सामने आने पर जोर दिया। कहा कि इंडस्ट्री के क्षेत्र में पहला रिवॉल्यूशन इंडस्ट्रियल रिवॉल्यूशन, दूसरा बिजली में भारत को फायदा नहीं मिला। वहीं तीसरे रिवॉल्यूशन इंटरनेट-चिप में भारत को फायदा हुआ। पर चौथे रिवॉल्यूशन में देश को केवल फायदा नहीं मिलना चाहिए, बल्कि इसे एक लीडर के रूप में खड़ा होना चाहिए। इसके लिए जरूरी 4 चीज भारत के पास उपलब्ध हैं- डेमोग्राफी, डी-ग्लोबलाइजेशन, डी-डिजिटाइजेशन और डी-कार्बोनाइजेशन। भारत हमेशा से एक लीडर रहा है। एआई पर कहा कि चाहे कोई भी टेक्नोलॉजी आए, मनुष्यों को पूरी तरह बाहर नहीं कर सकता।

एके सक्सेना का स्वागत करते संजीव

एक्सआईएसएस के स्टूडेंट्स ने एचआर के महत्व को बताते के लिए नाटक का मंचन किया।

विभिन्न संस्थानों के 250 प्रतिनिधियों ने लिया भाग

देश के कई बड़े संस्थानों के 250 प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। मुख्य अतिथि के रूप में एमओआईएल के सीएमडी एके सक्सेना, आईबीएम के सुधीर मट्टू, स्नाइडर इलेक्ट्रिक के नील अग्रवाल, आईआईटी मद्रास के डॉ एम मनिवनन, आईआईटी-आईएसएम के निदेशक राजीव शेखर, आईआईटी खड़गपुर के पीपी चक्रवर्ती, टाटा स्टील की वाइस प्रेसिडेंट अत्री एस सान्याल, एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ. जोसेफ मरियानुस कुजूर आदि उपस्थित रहे।

एचआर के महत्व को बताने के लिए हुआ नाटक

डॉ. जोसफ मरियानुस कुजूर ने मेटल और माइनिंग इंडस्ट्री में समय और लागत को कम करने, कार्मिकों की व्यस्तता बढ़ाने, सुरक्षा में सुधार करने और प्रतिभा को आकर्षित करने पर जोर दिया। एक्सआईएसएस के स्टूडेंट्स ने एचआर के महत्व को बताते हुए नाटक का मंचन किया। इसमें दिखाया कि कैसे टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करते हुए एचआर किसी संस्थान के हर कर्मी को फायदा पहुंचाने में मदद करता है। माइनिंग सेक्टर के कर्मियों को भी दर्शाया।

Press : Dainik Bhaskar

प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान सेल में डिजिटल एचआर पर संगोष्ठी

परिवर्तन के अनुकूल बनने के लिए प्रशिक्षण जरूरी : सक्सेना

लाइफ रिपोर्टर @ रांची

हमारे आसपास हो रहे परिवर्तन को अनुकूल बनाने के लिए हमारी जनशक्ति को प्रशिक्षित करने की आवश्यकता है. प्रौद्योगिकी मनुष्य के अनुकूल है और यदि लोग रुचि विकसित करते हैं, तो डिजिटलीकरण बहुत मदद कर सकता है. यह बात मॉयल कंपनी के सीएमडी एके सक्सेना ने कही. वह प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान सेल में धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर विषय पर बुधवार को आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में बोल रहे थे. इसका आयोजन सेल, सीसीएल, मैगनीज ओर इंडिया लिमिटेड, एक्सआइएसएस और नेशनल एचआरडी नेटवर्क रांची चैप्टर की ओर से किया गया. इस अवसर पर स्मारिका का भी विमोचन किया गया.

डिजिटल एचआर की है अहमियत

एक्सआइएसएस के निदेशक डॉ. जोसेफ मरिंउस कुजूर ने कहा कि मानव संसाधन के नियमित कार्यों को व्यवस्थित करने, समय बचाने और लागत कम करने के मामले में धातु और खनन उद्योग में डिजिटल एचआर का काफी महत्व है. उन्होंने कर्मचारियों की व्यस्तता में वृद्धि, सुरक्षा में सुधार, दूरस्थ कार्य की सुविधा और शीर्ष प्रतिभा को बनाये रखने पर भी जोर दिया. मानव संसाधन विभाग के निदेशक व नेशनल एचआरडी नेटवर्क रांची चैप्टर के अध्यक्ष संजीव कुमार ने एनालिटिक्स के महत्व पर कहा कि कैसे प्रौद्योगिकी का लाभ उठाकर हम अपने संगठन के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ पैदा कर सकते हैं. इस मौके पर टाटा स्टील की मानव संसाधन विभाग की उपाध्यक्ष अत्रेयी एस सान्याल, आइआइटी खड़गपुर के प्रो पीपी चक्रवर्ती, आइआइटी आइएसएम धनबाद के प्रो राजीव शेखर, एम मनिवंनन, एके सक्सेना, नील अग्रवाल और सुधीर मट्टू ने अपनी बातें रखीं.

डिजिटल युग में नेतृत्व विकास पर जोर : तकनीकी सत्र में मेटल व माइनिंग उद्योग के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी और डिजिटल युग में नेतृत्व विकास पर चर्चा की गयी. मौके पर एक्सआइएसएस के विद्यार्थियों की ओर से एचआर की भूमिका विषय पर नाटक पेश किया गया. धन्यवाद ज्ञापन एचआरडी के सीजीएम संजय धर ने किया.

प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान सेल में संगोष्ठी की शुरुआत करते अतिथि.

Press : Prabhat Khabar

कुशल श्रमशक्ति जरूरी : डॉ जोसेफ

सेमिनार

रांची, संवाददाता। उद्योगों को स्किल्ड वर्कफोर्स की जरूरत है, लेकिन स्किल्ड वर्कफोर्स की काफी कमी है। संभवतः इसके पीछे माइनिंग कंपनियों को टेक्नोलॉजी एडवांसमेंट के लिए अच्छा नहीं माना जाना बड़ा कारण हो सकता है। ये बातें बुधवार को एक्सआईएसएस के निदेशक डॉ जोसेफ एम कुजूर ने कही। वे स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड, मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड, जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस और नेशनल एचआरडी नेटवर्क रांची चेप्टर के सहयोग से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में बोल रहे थे।

डोरंडा में सेल के प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान में धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में उन्होंने माइनिंग उद्योगों में युवाओं का रुझान कम होने की वजह का जिक्र करते हुए कहा कि यह सेक्टर फैसनेबल नहीं होने के कारण भी युवाओं को आकर्षित नहीं कर पाता है।

डिजिटल एचआर फोर मेटल एंड माइंस विषय पर एमटीआई सभागार में बुधवार को अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन करते अतिथिगण।

भारत को नेतृत्वकर्ता के रूप में सामने आने पर जोर

मौके पर सेल के कार्मिक निदेशक केके सिंह ने तकनीक के क्षेत्र में चौथे रिवॉल्यूशन में भारत को नेतृत्वकर्ता के रुप में सामने आने पर जोर दिया। कहा कि इंडस्ट्री के क्षेत्र में पहला रिवॉल्यूशन, इंडस्ट्रीयल रिवॉल्यूशन था जिसका भारत को बहुत फायदा नहीं मिला। दूसरा रिवॉल्यूशन था बिजली में, इसमें भी भारत को बहुत फायदा नहीं मिला। वहीं, तीसरा रिवॉल्यूशन इंटरनेट, चिप आदि का था, जिसमें भारत को फायदा हुआ। उन्होंने कहा कि चौथे रिवॉल्यूशन में देश को सिर्फ फायदा नहीं मिलना चाहिए बल्कि इसे एक लीडर के रुप में खड़ा होना चाहिए। क्योंकि भारत के पास सभी जरूरी मानव संसाधन, वि-वैश्वीकरण, डी-डिजिटाइजेशन और डी-कार्बोनाइजेशन उपलब्ध है। वहीं, इस अवसर पर संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन भी किया गया। वहीं, कार्यक्रम में आगे आईआईटी खरगपुर के प्रोफेसर पीपी चक्रबर्ती ने एआई की महत्ता, मानव संसाधन को कार्य करने तथा संबंध बनाने पर जोर दिया।

Press : Hindustan

मानव संसाधन के विकास में एनालिटिक्स की भूमिका अहम

खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर संगोष्ठी

पहले दिन विभिन्न संस्थानों से जुड़े लोगों ने प्रस्तुत किए अपने वक्तव्य

संगोष्ठी में अतिथियों ने स्मारिका का भी किया विमोचन

जासं, रांची : स्टील अथारिटी आफ इंडिया लिमिटेड (सेल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल सीआईएल), मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (एमओआईएल), जेवियर इंस्टीट्यूट आफ सोशल सर्विस (एक्सआईएसएस) और नेशनल एचआरडी नेटवर्क, रांची चैप्टर के साझा सहयोग से प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (सेल) में धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। संगोष्ठी का उद्घाटन बुधवार को एमटीआइ सभागार में अतिथियों की उपस्थिति में किया गया। उद्घाटन राष्ट्र गान के साथ हुआ। इसके उपरांत गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन एवं स्वागत गान के साथ संगोष्ठी का आरंभ किया।

इस अवसर पर एक संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन भी हुआ। इसके बाद एक्सआईएसएस के निदेशक डा. जोसफ मरिंउस कुजूर ने समय एवं लागत को कम करने, कार्मिकों की व्यस्तता बढाने , सुरक्षा में सुधार करने तथा प्रतिभा को आकर्षित करने तथा उनको आहरित करने पर बल दिया। संजीव कुमार ने मानव संसाधन विकास में एनालिटिक्स की प्रमुखता तथा कोबोट्स के साथ सहयोग पर बल दिया तथा सभी अतिथियों तथा प्रतिनिधियों का स्वागत किया। वहीं अत्रई सान्याल ने उत्पादकता इंडस्ट्री 4.0 तथा निगमित सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डाला तथा टाटा स्टील में डिजिटल ट्रांसफार्मेशन पर चर्चा की। पीपी चक्रवर्ती ने एआई की महत्ता, मानव संसाधन को कार्य करने तथा संबंध बनाने पर जोर दिया। प्रोफेसर राजीव शेखर साफ्टवेयर की महत्ता तथा एलाय डिजाइन एवं वाइट कालर कामगारों के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। नील अग्रवाल ने डाटा मैपिंग के बारे में चर्चा की जबकि सुधीर मट्टू ने मानव संसाधन विकास के लिए दस आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की। इस कार्यक्रम में तकनीकी सत्रों में मेटल एवं माइनिंग उद्योग के लिए इमर्जिंग टेक्नोलाजी, डिजिटल युग में नेतृत्व को पुनर्परिभाषित करने तथा लीन एवं एजाइल संगठन पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

सेल में धातु व खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर कान्क्लेव में स्मारिका का विमोचन करते अतिथि • जागरण

सेल रांची में धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर अंतरराष्ट्रीय कान्क्लेव में शामिल लोग • जागरण

Press : Dainik Jagran

INTERNATIONAL CONCLAVE AT MTI

AI has vast potential, but needs a robust road-map: Experts

PNS ■ Ranchi

International Conclave on Digital HR for Capability building in Metals & Mining Industry kicked off today at SAIL, MTI. With more than 250 delegates from various leading organizations, such as SAIL, CCL, CMPDIL, HCL, Maithan Ispat, RINL, MOIL, GAIL, HINDALCO, IBM, XISS, etc, the conclave arena was electrifying with young management & technical students taking prime auditorium seats to listen to erudite experts of international fame.

The conclave organised by SAIL, in association with CCL, MOIL, XISS and NHRD, Ranchi Chapter started with the National Anthem Felicitation. Thereafter, KK Singh, Director (Personnel), SAIL & Sanjeev Kumar, President, NHRD Ranchi Chapter & ED(HRD) and felicitated and welcomed the guests. The Lamp of knowledge was lit by AK Saxena, CMD (MOIL); Sudhir Mattoo, IBM; Neel Agrawal, Schneider Electric; Dr. M Manivannan, IIT Madras, Rajeev Shekhar, Director, IIT-ISM, PP Chakraborty, IIT Kharagpur; KK Singh, Atrayee S Sanyal, VP(HRM), Tata Steel; Sanjeev Kumar and Dr. Joseph M. Kujur, Director (XISS). Thereafter, a souvenir was released by the dignitaries.

In his welcome address Dr. Kujur stated the importance of Digital HR in the metal and mining industry in terms of streamlining HR routine tasks, saving time and reducing cost. Also the benefits underscored were enhancement in employee engagement, Improvement in safety, facilitating remote work and retaining top talent. A Perspective Setting skit was presented by the students of XISS. The skit displayed how HR is crucial for an organization in shaping people's mind and making them feel family at work.

Opening remarks were given by Sanjeev Kumar in which he spoke about Importance of analytics and how by leveraging the technology we can create competitive advantage for our organisation.

Press : Pioneer

AI has vast potential, but needs a robust roadmap, say Experts

RANCHI: International Conclave on Digital HR for Capability building in Metals & Mining Industry started today at SAIL, MTI. With more than 250 delegates from various leading organizations, such as SAIL, CCL, CMPDIL, HCL, Maithan Ispat, RINL, MOIL, GAIL, HINDALCO, IBM, XISS, etc.; the conclave arena was electrifying with young management & technical students taking prime auditorium seats to listen to erudite experts of international fame.

The conclave organised by SAIL, in association with CCL, MOIL, XISS and NHRD, Ranchi Chapter started with the National Anthem Felicitation. Thereafter, Sri KK Singh, Director (Personnel), SAIL & Sri Sanjeev Kumar, President, NHRD Ranchi Chapter & ED(HRD) and felicitated and welcomed the guests. The Lamp of knowledge was lighted by Shri AK Saxena, CMD (MOIL); Shri Sudhir Mattoo, IBM; Shri Neel Agrawal, Schneider Electric; Dr. M Manivannan, IIT Madras, Shri Rajeev Shekhar, Director, IIT-ISM, Shri PP Chakraborty, IIT Kharagpur; Shri KK Singh, Ms. Atrayee S Sanyal, VP(HRM), Tata Steel; Shri Sanjeev Kumar and Dr. Joseph M. Kujur, SJ, Director (XISS). Thereafter, a souvenir was released by the dignitaries.

In his welcome address by Dr. Kujur stated the importance of Digital HR in metal and mining industry in terms of streamlining HR routine tasks, save time and reduce cost. Also the benefits underscored were enhancement in employee engagement, Improvement in safety, facilitating remote work and retain top talent. A Perspective Setting skit was presented by the students of XISS. The skit displayed how HR is crucial for an organization in shaping people's mind and making them feel family at work.

Opening remarks were given by Sri Sanjeev Kumar in which he spoke about Importance of analytics and how by leveraging the technology we can create competitive advantage for our organisation. He said that already we are into an era where Robots have started collaborating.

In her Address Ms Atrayee S Sanyal opined that after the journey of productivity, industry 4.0, evolving CSR, the real challenge remained with Journey of Digitalization and Sustainability. All speakers appreciated the benevolent spinoff of COVID was an impetus to Digitalization. The digital inculcation was a 3-tier challenge cutting across all strata of work force with the most challenging tier of

Press : Morning India

धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण को डिजिटल एचआर पर संगोष्ठी शुरू

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल), सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल-सीआइएल), मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड (एमओआइएल), जे वियर इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल सर्विस (एक्सआइएसएस) और नेशनल एचआरडी नेटवर्क, रांची चैप्टर के साझा सहयोग से सेल के प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान (एमटीआइ) में बुधवार को धातु और खनन उद्योग में क्षमता निर्माण के लिए डिजिटल एचआर पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी की शुरुआत हुई। संगोष्ठी का उद्घाटन एमटीआइ सभागार में गण्यमान्य अतिथियों की उपस्थिति में राष्ट्रगान के साथ हुआ। उसके उपरांत अतिथियों ने दीप प्रज्वलित किया। इस अवसर पर एक संगोष्ठी स्मारिका का विमोचन भी किया गया। संगोष्ठी का समापन गुरुवार (13 अप्रैल) को होगा।

अपने स्वागत संबोधन में डॉ. जोसफ मरिंउस कुजूर, निदेशक, एक्सआइएसएस ने समय एवं लागत को कम करने, कार्मिकों की व्यस्तता बढाने, सुरक्षा में सुधार करने तथा प्रतिभा को आकर्षित करने तथा उनको आहरित करने पर बल दिया। संजीव कुमार, का.नि. (मार्सवि) तथा अध्यक्ष, नेशनल एचआरडी नेटवर्क, रांची चैप्टर ने मानव संसाधन विकास में ऐनालिटिक्स की प्रमुखता तथा कोबोट्स के साथ सहयोग पर बल दिया तथा सभी गण्यमान्य अतिथियों तथा प्रतिनिधियों का स्वागत किया। सुश्री अत्रई सान्याल, उपाध्यक्ष (मासंप्र), टाटा स्टील ने उत्पादकता, इंडस्ट्री 4.0 व निगमित सामाजिक दायित्व पर प्रकाश डाला और टाटा स्टील में डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन पर चर्चा की। केके सिंह, निदेशक (कार्मिक), सेल ने कार्मिकों की व्यस्तता तथा इंडस्ट्री 4.0 में भारत के नेतृत्त्व पर बल दिया। पीपी चक्रबर्ती, प्रोफेसर, आइआइटी, खड़गपुर ने एआइ की महत्ता, मानव संसाधन को कार्य करने तथा संबंध बनाने पर जोर दिया। प्रो राजीव शेखर, निदेशक, आइआइटी (आइएसएम), धनबाद ने सॉफ्टवेयर की महत्ता तथा एलाय डिजाइन एवं वाइट कॉलर कामगारों के विकास पर विशेष ध्यान देने को कहा। एम मनिवनन, आइआइटी, मद्रास ने मेटल एवं माइनिंग तकनीकों के लिए ग्रैंड एक्सआर कॉरिडोर तथा इंडस्ट्री 5.0 पर चर्चा की। एके सक्सेना, अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक मैंगनीज ओर इंडिया लिमिटेड ने श्रम शक्ति के प्रशिक्षण तत्पश्चात हो रहे परिवर्तन को अपनाने पर बल दिया।

नील अगरवाल, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन लीडर, स्नाइडर इलेक्ट्रिक ने डाटा मैपिंग के बारे में चर्चा की, जबकि सुधीर मद्धु, टैलेंट ट्रांसफॉर्मेशन, आइबीएम ने मानव संसाधन विकास के लिए दस आवश्यक पहलुओं पर चर्चा की। अपराह्न में आयोजित किये गये तकनीकी सत्रों में मेटल एवं माइनिंग उद्योग के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी, डिजिटल युग में नेतृत्त्व को पुनर्परिभाषित करने तथा लीन एवं एजाइल संगठन पर व्यापक विचार विमर्श किया गया।

Press : Khabar Mantra